Serial No.: «SlNo»

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
NATIONAL INFORMATIC CENTRE

सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा – 2019
Limited Departmental Competitive Examination – 2019

अनुभाग अधिकारी के पद हेतु
For the Post of Section Officer

प्रश्नपत्र - I
Paper – I

टिप्पण, आलेखन एवं सार लेखन
Noting, Drafting and Précis Writing

दिनांक: 01 जुलाई, 2019
Date: 01 July, 2019

Time Allowed: 03 Hours **Marks: 200 Marks**

INSTRUCTIONS

- **उत्तर लिखते समय उत्तर पुस्तिका में कहीं पर भी अपना नाम, रोल नंबर या पता नहीं लिखा जाना चाहिए / Your name, roll number or address must not be disclosed while writing the answers.**
- **प्रत्येक प्रश्न के अंत में उसके लिए निर्धारित अंक दिये गए हैं / Number of Marks allocated to the questions is indicated at the end of each question.**
- **उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए / Answers must be written in Hindi/English only.**

1. जब हम मानव गतिविधि के लिए मानवीय और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की तुलना करते हैं तो दो संस्कृतियों के बीच कुछ आवश्यक अंतर स्पष्ट हो जाते हैं। एक वैज्ञानिक पद्धति का प्रभाव व्यक्तिगत अनुभवों से तटस्थता उत्पन्न करना है जिन पर कार्रवाई की जा रही है; मानवतावादी पद्धति का प्रभाव भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

एक साधारण दृष्टांत इस भेद को साकार करने में मदद कर सकता है। मार्च 1951 में, नेशनल सेफ्टी काउंसिल ऑफ़ अमेरिका ने भविष्यवाणी की थी कि 1899 में पहली बार दर्ज की गई ऑटोमोबाइल मृत्यु के बाद से एक मिलियनवी ट्रैफ़िक की मृत्यु 22 दिसंबर 1951 को होगी। और ऐसा हुआ ! प्रारंभिक प्रचार का उद्देश्य एक विस्मयकारी राष्ट्रीय त्रासदी के प्रति गंभीर जवाब प्राप्त करना था। जनता की प्रतिक्रिया एक त्रासदी के रूप में नहीं थी; यह वैज्ञानिक सामान्यीकरण के लिए उचित था।

राजमार्ग पर बेजान शरीर एक मात्र संख्या थी जो कठोर अवैयक्तिक कानूनों के संचालन का प्रतिनिधित्व करती थी और सटीक माप के लिए हमारी प्रतिभा को श्रद्धांजलि देती थी। किसी से प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं की जा सकती थी, अन्यथा जितना एक बौद्धिक संश्लेषण वैज्ञानिक आदर्श के नजदीक पहुँचता है, उतना अधिक मानव कृत्य अपने व्यक्तिगत महत्व को पूर्णतः खो देगा, और उतना अधिक हम अपने मानवीय अर्थ से असम्बद्ध रहेंगे। जहां संख्यात्मक सूत्र शामिल हैं, यह प्रभाव विशेष रूप से ध्यान देने योग्य हो जाता है।

इसका विषम साहित्य में देखा जा सकता है, क्योंकि साहित्य की शक्ति पूर्व निर्धारित तरीके से हमें उसके डेटा में शामिल करने की उसकी क्षमता में निहित है, साथ ही इसकी यह क्षमता कि व्यक्तिगत अनुभव की विशिष्टता को कभी नहीं खोना है। यह एक सम्मान है जिसमें साहित्य विज्ञान के साथ अवधारणाओं को तैयार करने की क्षमता रखता है जो हमें एक नया दृष्टिकोण देता है और हमारी टिप्पणियों पर नियंत्रण का एक नया माप प्रदान करता है। द्रव्यमान और गुरुत्वाकर्षण और विकास की अवधारणा उत्पन्न होने के बाद संसार एक अलग पहलू को ग्रहण कर लेता है, और इसी तरह, एक बार हेमलेट या वॉर एंड पीस की अवधारणा उत्पन्न होने के बाद, हम अनुभव को भिन्न रूप में समझते हैं।

विज्ञान की रचनाओं के विपरीत, जो उनके मानवीय अर्थ या उपयोग के संबंध में आवश्यकता तटस्थ हैं, आवश्यकता के साहित्य के कार्य हमें इस तरह की प्रतिक्रियाओं जैसे कि दया, भय, दुःख, सुखद और दुःखद विकल्प में शामिल करते हैं। हम न तो अलग रूप में रह सकते हैं और न ही उनके मानवीय अर्थ के प्रति उदासीन। साहित्य के सफल कार्यों में, हमारी भागीदारी इतनी पूर्ण होती है कि वे हमारी सहानुभूति को भी संलग्न कर देते हैं, वहां पर भी जहाँ वे हमारी बौद्धिक दृढ धारणाओं या विश्वास को विवश नहीं करते हैं। अपने भाई को दफनाने के लिए एंटीगोन की मजबूरी, चाहे वह केवल एक मुट्ठी भर मिट्टी के साथ हो, का मूल हमारी अपनी पराया वर्जनाओं की दुनिया में है, फिर भी उसकी त्रासदी हमें हिला देती है, इस हटाने का मतलब था शास्त्रीय एथेंस से रंगमंच। क्योंकि वे ऐसा कर सकते हैं, साहित्य के कार्यों में हमारी सहानुभूति की सीमा का विस्तार करने की क्षमता है; वे हमें मानवीय अनुभव की विविधता पर प्रभाव डालते हैं और उन मूल्यों पर ध्यान देते हैं जो व्यक्तिगत पसंद का निर्धारण करते हैं और जिसके माध्यम से मानव क्रियाएं अपना अर्थ प्राप्त करती हैं।

यह स्पष्ट करने के लिए नहीं है – अनुसरण करें कि एक साहित्यिक या साहित्य का एक छात्र और कला और मानवतावादी सीखने की आवश्यकता अधिक मानवीय और बुद्धिमान और अनुबोधक है बजाय उसके जो एक मानवतावादी नहीं है, उससे भी अधिक कि वह यह अनुसरण करता है कि एक वैज्ञानिक, विज्ञान के अपने अभ्यास के आधार पर, हमेशा गैर-वैज्ञानिक की तुलना में अधिक तार्किक, स्पष्ट रूप से और निष्पक्ष रूप से सोचता है। यह मान लेना उचित है कि विज्ञान के अनुशासन में निरंतर भागीदारी से एक व्यक्ति के सोचने के तरीकों में अपनी छाप छोड़ देगी, और विज्ञान के व्यवहार में पड़ने वाले प्रभाव उसके चरित्र को आकार देंगी। उसी प्रकार, यह मानना भी उतना ही उचित है कि कला और मानवतावादी शिक्षा उन लोगों के दृष्टिकोण को आकार देने में अपना योगदान देगी जो उनमें गंभीर रुचि लेते हैं। और दोनों, अगोचर रूप से, जिस पीढी में वे पनपते हैं उस पर, और समाज पर जो उन्हें उनकी गतिविधियों के लिए समर्थन और कार्यक्षेत्र देता है, अपने निशान छोड़ देते हैं।

ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जो मानविकी प्रदर्शन नहीं कर सकती हैं, और ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जो विज्ञान नहीं कर सकता है, कोई अन्य कारण नहीं है कि वे एक ही तरह के प्रश्न नहीं पूछते हैं। मानविकी विज्ञान की सभी कार्यप्रणाली प्रक्रियाओं को नहीं अपना सकती है और न ही वैज्ञानिक सामान्यीकरण की व्यापक समावेशिता

की नकल कर सकती है। इसलिए, हम यह उम्मीद नहीं कर सकते हैं कि मानविकी, हमारी मानवीय स्थितियों को प्रभावित करने वाली समस्याओं का सटीक और पूरी तरह से संचालन समाधान प्रदान करेगी। उचित मानवीय लक्ष्यों और उन्हें प्राप्त करने के उचित मानव साधनों के साथ विचारमग्न हो जाना, या व्यक्तिगत अनुभव के लिए एक सम्बन्ध उत्पन्न करना और इसके मानवीय अर्थ की खोज के लिए, विज्ञान में कला की क्षमता, विशेष रूप से साहित्य, और मानवतावादी शिक्षा की क्षमता का अभाव है। और इसलिए, हम इसके विशिष्ट योगदान के बारे में हमारी सामान्य मानवता की भावना को जीवित और प्रोत्साहित करने की दिशा में भ्रान्ति उत्पन्न नहीं कर सकते हैं।

a) उपर्युक्त पैराग्राफ का उसके आकार के **एक तिहाई (1/3rd)** में सार लिखें और उसके लिए उपयुक्त शीर्षक भी लिखें। **(लगभग 775 शब्द / 3 = 260 शब्द)**

b) उपर्युक्त नोट का केंद्रीय विचार / विषय क्या है? **(अधिकतम 80 शब्द)**

Some of the essential differences between the two cultures become evident when we compare the humanistic and scientific approaches to human activity. The effect of a scientific ordering is to produce detachment from the individual experiences which are being dealt with; the effect of a humanistic ordering is to encourage involvement.

A simple illustration may help to give concreteness to this distinction. In March 1951, the National Safety Council of America predicted that the one-millionth traffic fatality since the first recorded automobile death in 1899 would occur on December 22, 1951. And it did! The preliminary publicity was aimed at leading up to a solemn response to an awesome national tragedy. The public response was not as to a tragedy; it was the kind proper to a scientific generalization. The lifeless body on the highway was a mere number representing the operation of inexorable impersonal laws and paying tribute to our genius for accurate measurement. One could not expect the response to have been otherwise the closer an intellectual synthesis approaches the scientific ideal, the more completely will the human act lose its individual significance, and the more fully will we remain detached from its human meaning. Where numerical formulations are involved, this effect becomes especially noticeable.

The contrast to this may be seen in literature, for the power of literature lies in its capacity to involve us in its data in pre-determined way, as well as its capacity never to lose sight of the uniqueness of individual experience. There is a respect in which literature shares with science the capacity to formulate concepts which give us a new outlook and provide a new measure of control over our observations. The world takes on a different aspect after mass and gravity and evolution have been conceptualized, and in similar fashion, we apprehend experience differently once Hamlet or War and Peace has been conceptualized.

Unlike the creations of science, which are of necessity neutral with respect to their human meaning or use, works of literature of necessity involve us in such responses as pity, fear, sorrow, pleasant and bitter choice. We can remain neither detached form nor indifferent to their human meaning. In successful works of literature, our involvement is so complete that the attach our sympathy even where they do not compel our intellectual conviction or belief. Antigone's compulsion to bury her brother, if only with a handful earth, has its origin in a world of taboos alien to our own, yet her tragedy moves us, at this remove were means stage from classical Athens. Because they can do this, works of literature have the capacity to extend the range of our sympathies; they impress upon us the diversity of human experience and direct attention to the values which determine individual choice and through which human actions acquire their meaning.

It does not – to state the obvious – follow that a man of letters or a student of literature and the arts and humanistic learning is of necessity more human and wise and perceptive than one who is not a humanist, any more then it follow that a scientist, by virtue of his practice of science, always thinks more logically, clearly, and impartially than the non-scientist. It is reasonable to suppose that continuous involvement in the discipline of science will leave its impression the ways a man thinks, and that the demands which the practice of science makes upon him will shape his character. By the same token, it is equally reasonable to suppose that the arts and humanistic learning will contribute their share to shaping the attitudes of those who take a serious interest in them. And both, imperceptibly, leave their marks on the age in which they flourish and on the society which gives them support and scope for their activities.

There are important functions which the humanities cannot perform, and there are important functions which science cannot perform, if for no other reasons than that they do not ask the same kind of questions. The humanities cannot take over all the methodological procedures of the sciences nor duplicate the comprehensive inclusiveness of scientific generalizations. And we cannot, therefore, expect that the humanities will provide exact and fully operational solutions to the problems that vex our human conditions. Science lacks the capacity of the arts, especially literature, and of humanistic learning, to become pre-occupied with proper human goals and proper human means of attaining them, or to create a concern for the individual experience and to search for its human meaning. And we cannot, therefore, expect its distinctive contributions to lie in the direction of keeping alive and encouraging a sense of our common humanity.

a) Make a précis of above passage in about **one-third (1/3rd)** of its length and suggest a suitable title. **(Approximately 775 words / 3 = 260 words)**

b) What is the central idea/theme of above note? **(Maximum 80 words)**

(60+20 Marks)

[नोट: निम्नलिखित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 2 से 6 तक) में से किन्हीं चार के उत्तर दें]
[Note: Attempt any FOUR from the following Questions (Q.No. 2 to 6)]

2. एक अतिरिक्त कार्यालय परिसर की आवश्यकता है जिसके लिए राज्य सरकार रूपए 10 करोड़ के भुगतान पर भूमि प्रदान करने के लिए सहमत है।

i) आपको एच.ओ.डी. के अनुमोदन के लिए एक नोट तैयार करना है।

ii) एच.ओ.डी. के अनुमोदन के बाद, एक नोट आई.एफ.डी .को वित्तीय अनुमोदन/ सहमति के लिए भेजा जाना है।

iii) आई.एफ.डी. के अनुमोदन के बाद, राज्य सरकार को पुष्टि के लिए एक पत्र लिखें, जिसमें उन्हें अंतरण विलेख के दस्तावेज की व्यवस्था करने के बारे में सूचित करें और भूमि की लागत के भुगतान के बारे में सूचना मांगे।

An additional office space is required for which the State Government has agreed to provide land against a payment of Rs. 10 Crore.

i) You have to prepare a note for approval of your HoD.

ii) After approval of HoD, a note is to be sent to IFD for Financial approval/concurrence.

iii) After approval of IFD, write a letter to State Govt. for confirmation and informing them for arranging documentation of transfer deed, and also seeking information towards payment of land cost.

(30 Marks)

3. आपके कार्यालय का एक कर्मचारी, बिहार में, उनके गृह-नगर जाने की अनुमति के साथ 1-1-2019 से 5-1-2019 तक 5 दिनों की छुट्टी स्वीकृत होने के बाद छुट्टी पर चला गया। लेकिन वह 6-1-2019 को (उसकी छुट्टी की समाप्ति के बाद) ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होता है और उसके बाद अनुपस्थित रहता है। छुट्टी पर जाने से पहले उनके छुट्टी खाते में केवल 5 ईएल और 20 एचपीएल हैं।

01-06-2019 को, आपके विभाग के प्रमुख ने आपको उसका मामला अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

कृपया अपने विभागीय प्रमुख की सूचना और अनुमोदन के लिए एक नोट तैयार करें और कर्मचारी को उसकी अनधिकृत छुट्टी के बारे में सम्बंधित नियमों और एफ आर, सी सी एस(आचरण) नियमों और सी सी एस (सी सी ए) नियमों के अधीन प्रावधानों का विशेष सन्दर्भ देते हुए पत्र लिखें।

An employee of your office proceeded on leave after getting sanctioned 5 days leave from 1-1-2019 to 5-1-2019, with the permission to visit his home-town in Bihar. But he does not join duty on 6-1-2019 (after expiry of his leave) and remains absent thereafter. He has only 5 EL and 20 HPL in his Leave Account before proceeding on leave.

On 01-06-2019, your Head of Department ask you to put up his case for disciplinary action.

Please prepare note for information and approval of Head of Department and write a letter to the official about his unauthorised absence with specific reference to relevant rules and provisions under FR, CCS (Conduct) rules, and CCS (CCA) Rules.

(30 Marks)

4. केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम 1964 में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है यह प्रावधान करने के लिए कि एक सरकारी कर्मचारी अपने सर्वोत्तम निर्णय में अपने कर्तव्यों का पालन करेगा, सिवाय उसके जब वह अपने आधिकारिक पर्यवेक्षक के निर्देशों के तहत कार्य कर रहा हो। बाद के मामले में भी, आधिकारिक वरिष्ठ अधिकारी को अपने निर्देश सामान्यतः लिखित रूप में देने चाहिए और जहां मौखिक निर्देश अपरिहार्य हो जाते हैं, उसे उसके तुरंत बाद उसकी पुष्टि करनी चाहिए। वरिष्ठ अधिकारी के लिए यह भी आवश्यक होगा की जब उनके मौखिक निर्देशों की कनिष्ठ अधिकारी पुष्टि मागते हैं तो वे उनके मौखिक निर्देशों की पुष्टि करें।

कृपया इस संशोधन को कार्यान्वित करने के लिए एक अधिसूचना तैयार करें।

It has been decided to amend the Central Civil services (Conduct) Rules 1964 to provide that a Govt. Servant shall perform his duties in his best judgement, except when he is acting under directions of his official supervisor. Even in the latter case, the official superior should give his direction ordinarily in writing and where oral directions become unavoidable; he should confirm the same immediately thereafter. It shall also be necessary for the official superior to confirm his oral directions when a junior officer seeks such a confirmation.

Please draft a notification to give effect to this amendment.

(30 Marks)

5. सरकारी कर्मचारियों के कुछ वर्गों ने केंद्र सरकार की हाल की नीति के विरोध में 01-05-2019 को एक दिन की हड़ताल की। हड़ताल पर गए सरकारी कर्मचारियों को उनके परिणामों का सामना करना पड़ेगा, जिसमें वेतन में कटौती के अलावा, उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शामिल हो सकती है।

i) कृपया संयुक्त सचिव, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, की ओर से संयुक्त सचिव, श्रम कल्याण विभाग को एक डी ओ पत्र तैयार करें जिसमें सरकार के निर्देशों की ओर उनका ध्यान आकर्षित करें और उनको सूचित करें कि वे उनको अपने विभाग में सख्ती से लागू करें।

ii) कृपया हड़ताल में भाग लेने वाले कर्मचारियों के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई (सम्बंधित नियमों का सन्दर्भ देते हुए) करने के लिए सचिव के अनुमोदन के लिए एक नोट तैयार करें।

Some sections of the Government employees observed a one day strike on 01-05-2019 to protest against recent policy of the Central Government. The Government employees going on strike would face the consequences which may include deduction of wages, and/or appropriate disciplinary action.

i) Please prepare D.O. Letter from Joint Secretary, Department of Personnel & Training, to Joint Secretary, Department of Labour Welfare, drawing attention to the Government instructions and advising him to strictly enforce the same in his department.

ii) Please prepare a note for approval of Secretary, for taking appropriate action (referring relevant rules) against the employees who took part in strike.

(30 Marks)

6. कृपया आपके विभाग में एक सहायिकी-प्राप्त विभागीय कैंटीन खोलने के लिए एक स्वतः पूर्ण नोट तैयार करें। नोट निम्नलिखित क्रम के अनुसार बनाया जाना चाहिए:

i) पृष्ठभूमि
ii) प्रस्ताव
iii) आवश्यकता और औचित्य
iv) विषय पर समिति की टिप्पणियां
v) विभागीय सिफारिशें
vi) पूर्व उदाहरण ,यदि कोई हो
vii) कार्य पूरा करने में विभाग की सक्षमता
viii) निधियों की उपलब्धता या भविष्य में निधि की व्यवस्था
ix) अपेक्षित कोई अन्य अनुमोदन या स्वीकृति
x) अपेक्षित अनुमोदन

Please prepare a self-contained note for opening a subsidised departmental canteen in your department. The note should be prepared in conformity to the order given below:

i) Background
ii) Proposal
iii) Need and justification
iv) Observation of committee on the subject
v) Departmental recommendations
vi) Previous precedent, if any
vii) Competence of Deptt. In carrying out the work
viii) Availability of funds or Fund arrangement in future
ix) Any other approvals or clearance required
x) Approval required

(30 Marks)